मयूरपंख

हिंदी पाठ्यपुस्तक

4

AUGMENTED REALITY
(Android Mobile App)
(See back cover for user guide)

हेल्प लाइन

Scanned with CamScanner

1 मेरी अभिलाषा

हमें पता है

हम सबकी ढेर सारी इच्छाएँ होती हैं। हमें बस यह प्रयास करना चाहिए कि हमारी इच्छाओं से किसी का अहित न हो, सबका भला ही हो।

आओ सोचें

अभिलाषाएँ रखना बहुत सरल होता है परंतु उन्हें पूरा करने के लिए हमें बहुत परिश्रम करना पड़ता है। आपकी क्या अभिलाषा है?

सूरज-सा दमकूँ[1] मैं
चंदा-सा चमकूँ मैं
झलमल-झलमल उज्ज्वल[2]
तारों-सा दमकूँ मैं
मेरी अभिलाषा[3] है।

फूलों-सा महकूँ मैं
विहगों-सा[4] चहकूँ मैं
गुंजित कर वन-उपवन
कोयल-सा कुहकूँ मैं
मेरी अभिलाषा है।

शब्दार्थ – 1. चमकना 2. चमकीला 3. इच्छा 4. पक्षियों के जैसा

Scanned with CamScanner

नभ[1] से निर्मलता[2] लूँ
शशि से शीतलता लूँ
धरती से सहनशक्ति[3]
पर्वत से दृढ़ता[4] लूँ
मेरी अभिलाषा है।

मेघों-सा[5] मिट जाऊँ
सागर-सा लहराऊँ
सेवा के पथ पर मैं
सुमनों-सा[6] बिछ जाऊँ
मेरी अभिलाषा है।

–द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

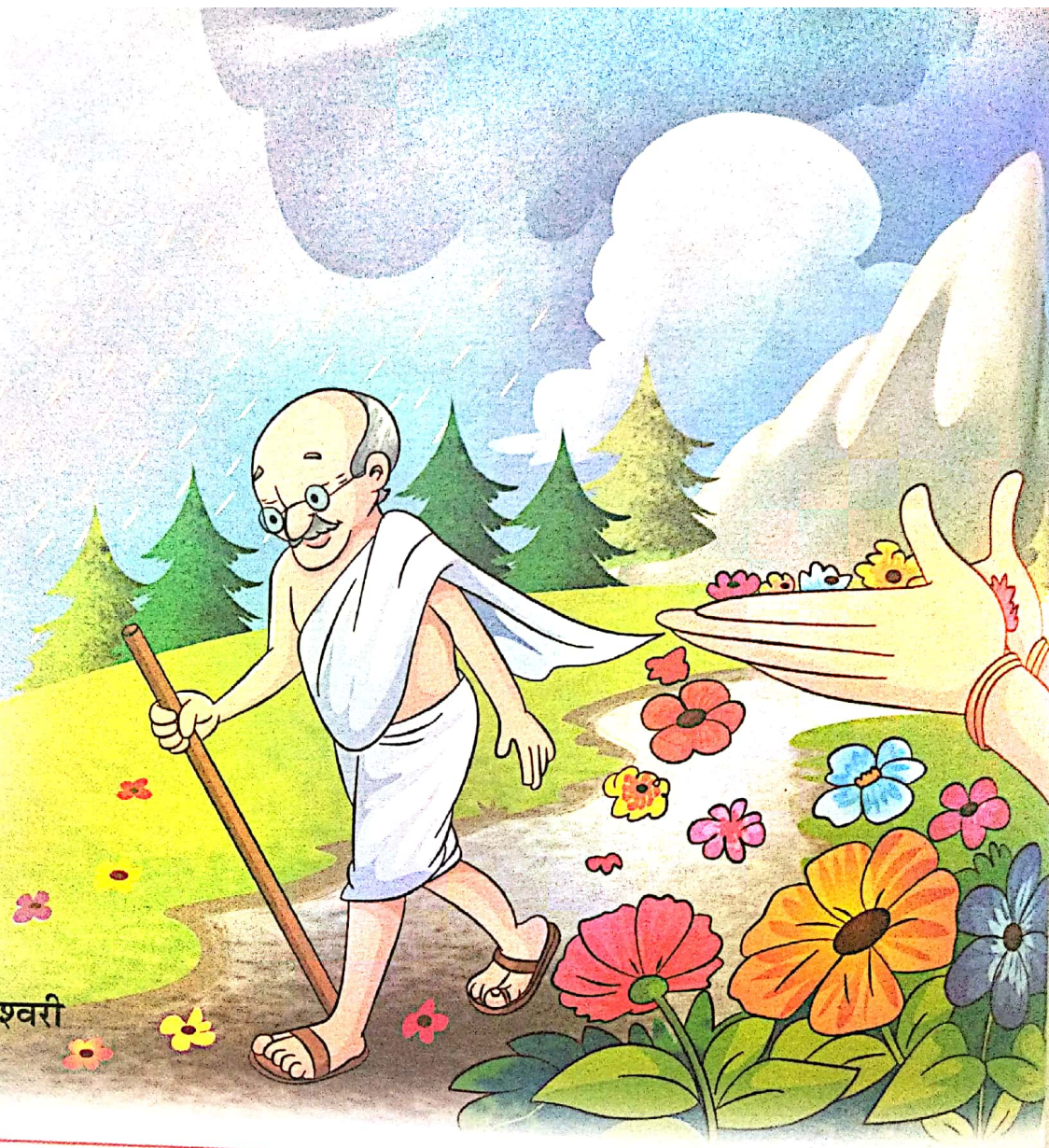

हमने सीखा– इस कविता से हमने ऐसी अभिलाषाएँ रखनी सीखीं, जिनसे हममें बहुत से गुणों का विकास हो सके। हम संसार की सेवा कर सकें।

शब्दार्थ – 1. आकाश 2. मैलरहित होने का भाव 3. सहने की ताकत 4. मज़बूती 5. बादलों के जैसा 6. फूलों की तरह

अभ्यास

कविता की समझ (Comprehension Skills)

- Listening and Writing Skills
- MCQs
- Oral Expression
- Fill in the Blanks
- Written Expression

1. श्रुतलेख

उज्ज्वल अभिलाषा दृढ़ता निर्मलता

2. कविता के अनुसार सही विकल्प पर निशान (✓) लगाइए–

(क) बच्चा इसकी तरह चमकना चाहता है–

(अ) सूरज ☐ (ब) चंदा ☐ (स) फूल ☐

Scanned with CamScanner

(ख) बच्चा चाहता है, पक्षियों की तरह–

(अ) उड़ना ☐ (ब) गाना ☐ (स) चहकना ☐

(ग) बच्चा नभ से लेना चाहता है–

(अ) शीतलता ☐ (ब) निर्मलता ☐ (स) उज्ज्वलता ☐

3. इन प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

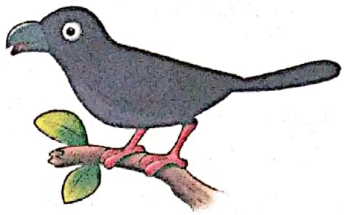

(क) बच्चा किसकी तरह दमकना चाहता है?

(ख) बच्चा कोयल से कौन-सा गुण अपनाना चाहता है?

(ग) वन-उपवन में खुशबू कौन बिखेरता है?

4. कविता की अधूरी पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

(क) गुंजित कर ______________
______________ कुहकूँ मैं
मेरी ______________।

(ख) धरती से ______________
______________ दृढ़ता लूँ
मेरी ______________।

5. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) बच्चे की चमकने और दमकने की इच्छा का क्या अर्थ है?

(ख) बच्चा चाँद से कौन-सा गुण लेना चाहता है?

(ग) 'पर्वत से दृढ़ता लूँ' का क्या अर्थ है?

(घ) सेवा के पथ पर बच्चा क्या करना चाहता है?

मूल्यपरक प्रश्न (Values and Life Skills)

(क) बच्चे ने कविता में अपनी जो अभिलाषाएँ बताई हैं, उनसे उसमें अच्छे गुणों का विकास होगा तथा वह संसार के काम आ सकेगा। अब बताइए कि आप संसार के लिए क्या करना चाहते हैं।

(ख) कोयल की बोली मीठी होती है। क्या आपने भी मीठा बोलकर किसी का दिल जीता है?

भाषा की समझ (Language and Vocabulary Skills)

* Synonyms
* Word Formation

1. समान अर्थ वाले शब्द **समानार्थी शब्द** कहलाते हैं।

जो समानार्थी शब्द नहीं हैं, उनपर गोला (○) लगाइए–

(क)	सूरज	–	धूप	दिनकर	सूर्य	रवि
(ख)	चाँद	–	शशि	रजनीपति	चंद्रमा	चाँदनी

Scanned with CamScanner

(ग) फूल – पुष्प मोटा सुमन सुरभि

(घ) नभ – आकाश व्योम गगन पाताल

2. समझिए और लिखिए–

(क) सूरज-सा – सूरज के जैसा (ख) मेघों-सा – _____

(ग) चंदा-सा – _____ (घ) सागर-सा – _____

(ङ) विहगों-सा – _____ (च) सुमनों-सा – _____

3. पाठ में आए इन शब्दों को देखिए और समझिए–

निर्मल + ता = निर्मलता दृढ़ + ता = दृढ़ता शीतल + ता = शीतलता

अब आप भी इसी प्रकार नए शब्द बनाइए–

(क) सफल + ता = _____ (ख) महान + ता = _____

(ग) चंचल + ता = _____ (घ) विफल + ता = _____

गतिविधियों के आयाम (Dimension of Activities)

- Creative Writing Skills
- Verbal Literacy
- Academic Literacy

1. मेरी इच्छा

आप क्या बनना चाहते हैं और क्यों? उदाहरण देखकर अपनी इच्छा लिखिए।

* मेरी अभिलाषा है कि मैं एक अध्यापक बनूँ। मुझे पढ़ने का बहुत शौक है। मैं अध्यापक बनूँगा तो बच्चों को अच्छी शिक्षा दूँगा।

_____

_____

_____

2. जानकारी बढ़ाइए

* हमारे देश के उत्तर में हिमालय पर्वत स्थित है।
* इसकी सबसे ऊँची चोटी का नाम माउंट एवरेस्ट है।
* हिमालय विश्व में सबसे ऊँचा पहाड़ है।

अब पता कीजिए कि सबसे पहले माउंट एवरेस्ट पर पहुँचने वाले व्यक्ति का नाम क्या था और उन्होंने कब ऐसा किया था।

Scanned with CamScanner

2 सौ के साठ

हमें पता है

हमें पता है कि तेज़ बुद्धि और अपनी बात कहने की कुशलता के सहारे हम बड़ी-से-बड़ी मुश्किल को भी सहजता से हल कर सकते हैं।

आओ सोचें

सुबह से शाम तक हम जितने भी काम करते हैं, उन सबमें कम या ज़्यादा बुद्धि का प्रयोग करना ही पड़ता है। अगर किसी दिन बुद्धि काम न करे तो हमारे किस-किस काम में बाधा पड़ जाएगी? सोचिए।

एक आदमी था। उसका नाम था, गेंदालाल। उसने एक साहूकार[1] से सौ रुपये उधार ले रखे थे। साहूकार रुपयों का तकाज़ा[2] करता रहता था। गेंदालाल की नीयत में खोट थी। वह सपने में भी साहूकार के पैसे देने की बात नहीं सोचता था। साहूकार जब भी उगाही[3] के लिए आता, गेंदालाल उलटा-सीधा जवाब देकर उसे टाल देता था। साहूकार तकाज़ा करते-करते थक गया, कह-कहकर हार गया। वह संदेश भेज-भेजकर परेशान हो गया। आखिर एक दिन साहूकार बगल में बहीखाता दबाकर गेंदालाल के घर ही जा धमका[4]। देखा कि सामने उसका बेटा खड़ा था। साहूकार ने उससे पूछा, "क्या गेंदालाल घर में हैं?"

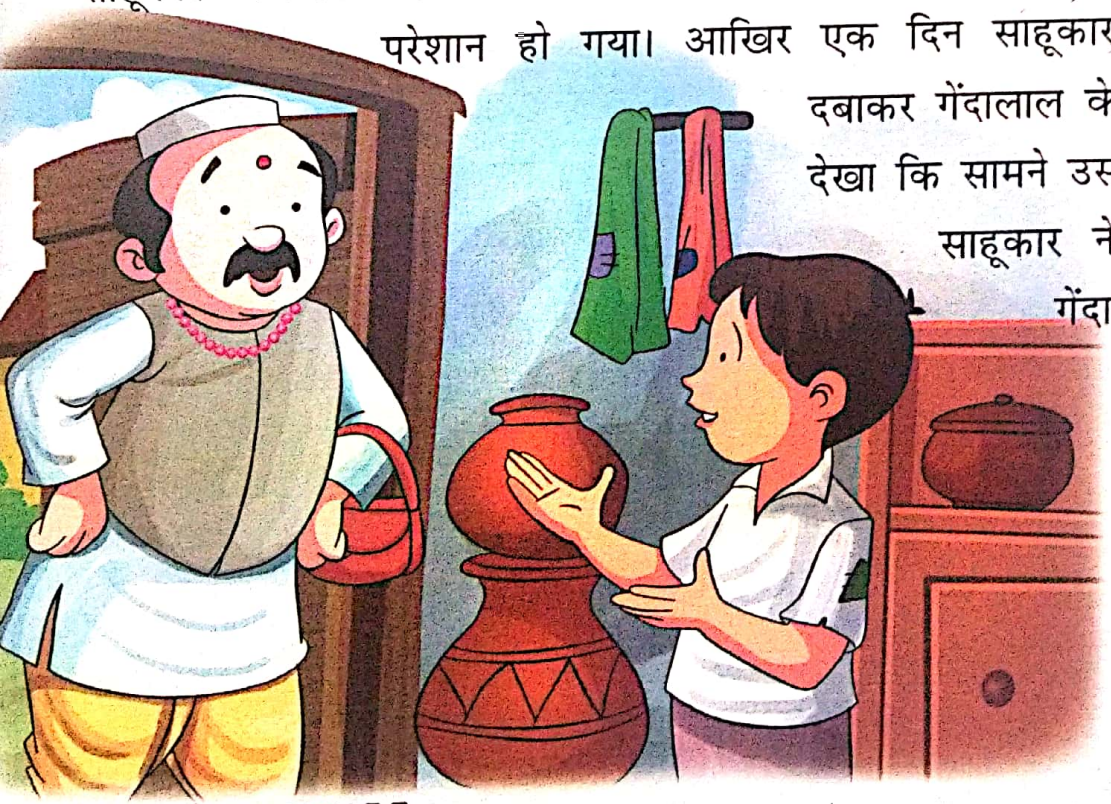

गेंदालाल का बेटा भी अपने पिता की तरह चालाक था। उसने कहा, "नहीं, पिता जी तो बाहर गए हैं।"

शब्दार्थ – 1. व्यापारी 2. अपनी रकम की माँग करना 3. वसूली 4. पहुँचा

Scanned with CamScanner

साहूकार ने पूछा, "कहाँ गए हैं?"

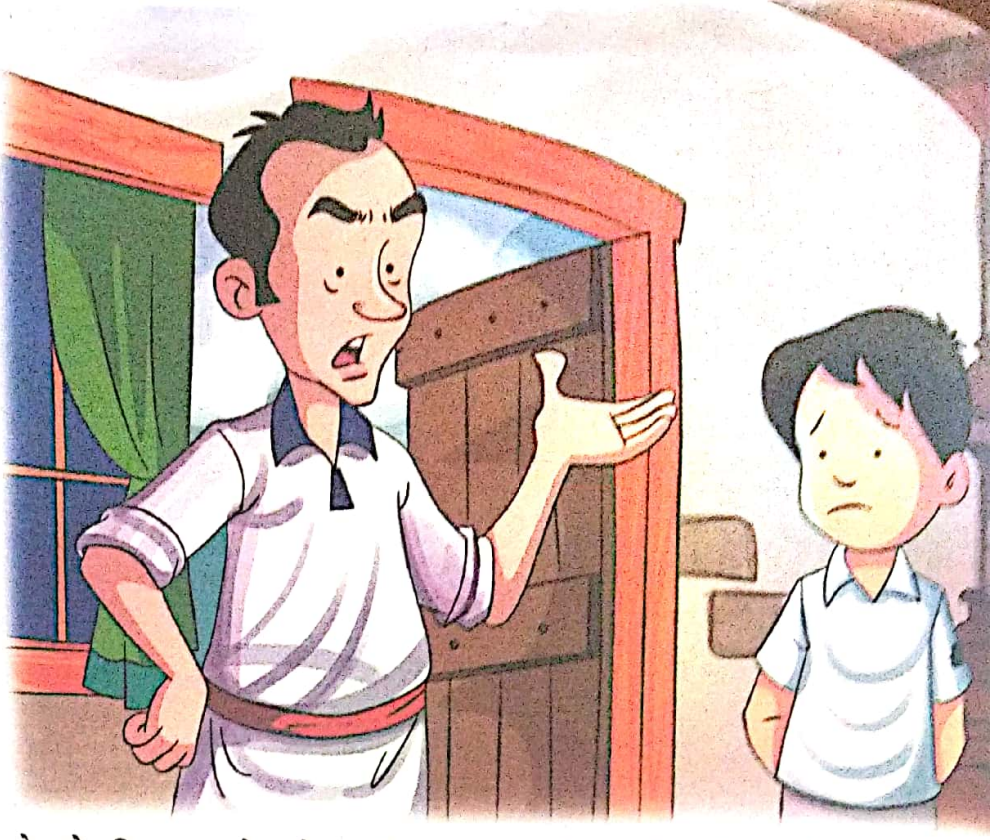

बेटा बोला, "गाँव की सरहद[1] पर जामुन के पेड़ हैं। वहीं से वे जामुन की गुठलियाँ लेने गए हैं।"

साहूकार ने हैरान होकर पूछा, "जामुन की गुठलियाँ? क्या करेंगे गुठलियों का?"

बेटा बोला, "पिता जी कह रहे थे कि अपने खेत में जामुन की गुठलियाँ बोएँगे। उनसे पेड़ उगेंगे। फिर वे पेड़ बड़े होंगे। उनपर जामुन लगेंगे। पिता जी पेड़ के जामुन बाज़ार में ले जाकर बेचेंगे। जामुन बेचकर जो पैसे मिलेंगे, उन पैसों से वे आपका कर्ज़ अदा करेंगे[2]।"

साहूकार समझ गया कि इस गेंदालाल से कभी पैसे वसूल नहीं होंगे। वह वहाँ से लौटा लेकिन कुछ दूर पर खड़े होकर गेंदालाल का इंतज़ार करने लगा।

थोड़ी देर में गेंदालाल घर लौटा। बेटे ने पूरी घटना कह सुनाई। गेंदालाल बोला, "तुमने ठीक बात नहीं कही। आखिरकार[3] पैसे लौटाने की बात तो तुमने कह ही दी न! यह बात भी क्यों कहनी थी?"

इतने में लाल-पीला होता हुआ साहूकार वहाँ आ धमका। वह बोला, "मेरा उधार चुकता करो, नहीं तो मैं पंचायत में जाऊँगा।"

गेंदालाल ने कहा, "कौन इनकार कर रहा है? सेठ जी! आप पंचों को इकट्ठा कर लीजिए। पंच जो कहेंगे, मैं कबूल[4] कर लूँगा। पंच कहेंगे, तो हाथ-के-हाथ नकद गिन दूँगा।"

पंच बैठे। पंचों ने समझौता कराने की कोशिश की। 'हाँ-ना' करते-करते आखिर पंचों ने सौ के साठ देने की बात तय कर दी।

शब्दार्थ – 1. सीमा 2. उधार चुकाना 3. अंत में 4. मान लेना

Scanned with CamScanner

गेंदालाल बोला, "साठ रुपये तो बहुत ज़्यादा होते हैं। कुछ कम कर देंगे तो मैं इसी समय चुका दूँगा।"

फिर पंचों ने दो इधर से कम किए, दो उधर से कम किए, और इस तरह तीस रुपये कम कर दिए। इसके बाद तो कुल तीस रुपये ही देने को बचे।

गेंदालाल ने साहूकार से कहा, "वाह, पंचों ने कैसा बढ़िया इंसाफ़[1] किया है! लीजिए, मैं अभी रकम दिए देता हूँ। ये दस तो नकद दे रहा हूँ। दस दिला दूँगा, और बचे हुए दस का तो लेना क्या और देना क्या? इतने दिनों के बाद इतने बड़े खाते का मामला निपटा तो उसमें आपको इतनी रियायत[2] तो देनी चाहिए।"

साहूकार कुछ समझ न पाया। उसने पूछा, "रियायत? कैसी रियायत?"

गेंदालाल बोल पड़ा, "सेठ जी! पहले ध्यान से सुन लीजिए, फिर इस हिसाब को अपने बहीखाते में लिख डालिए। लिखिए–

सौ के साठ, आधे गए नाट[3]।
दस दूँगा, दस दिलाऊँगा,
और, दस का क्या लेना
और क्या देना!

गेंदालाल की चतुराई देखकर साहूकार भी हँस पड़ा। गेंदालाल का बेटा बोला, "पिता जी! देखिए, सेठ जी हँस रहे हैं। लगता है वे आपकी बातों से प्रसन्न[4] हो गए हैं।"

गेंदालाल ने कहा, "हाँ, हँसना तो चाहिए ही। आज इन्हें नकद पैसे जो मिल गए हैं।"

–गिजुभाई बधेका

हमने सीखा– कोई भी परेशानी आने पर परेशान होने या घबराने की बजाय बुद्धि से उसका हल ढूँढ़ना चाहिए।

शब्दार्थ – 1. न्याय 2. छूट 3. घट जाना, मुकर जाना 4. खुश

Scanned with CamScanner

अभ्यास

पाठ की समझ (Comprehension Skills)

- Listening and Writing Skills
- MCQs
- Oral Expression
- Fill in the Blanks
- Sequencing
- Written Expression

1. श्रुतलेख

साहूकार　　तकाज़ा　　पंचायत　　बाज़ार

2. पाठ के अनुसार सही विकल्प पर निशान (✓) लगाइए–

(क) गेंदालाल ने साहूकार से उधार लिए थे–

(अ) सौ रुपये ☐　(ब) दो सौ रुपये ☐　(स) साठ रुपये ☐

(ख) साहूकार गेंदालाल के घर अपने साथ लेकर गया था–

(अ) बंदूक ☐　(ब) बहीखाता ☐　(स) रुपयों की गड्डी ☐

(ग) गेंदालाल के घर साहूकार को कौन मिला?

(अ) गेंदालाल की बेटी ☐　(ब) गेंदालाल की माँ ☐　(स) गेंदालाल का बेटा ☐

(घ) पंचायत ने अंत में गेंदालाल को कितने रुपये देने को कहा?

(अ) तीस रुपये ☐　(ब) सौ रुपये ☐　(स) दस रुपये ☐

3. इन प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) गेंदालाल की नीयत कैसी थी?

(ख) साहूकार जब पैसे माँगता था तब गेंदालाल क्या करता था?

(ग) साहूकार गेंदालाल के घर किसलिए जा पहुँचा था?

(घ) गेंदालाल का बेटा कैसा था?

(ङ) पंचायत में जाने की धमकी किसने दी थी?

4. उचित विकल्प चुनकर खाली स्थान भरिए–

(क) गेंदालाल की नीयत में _____ थी। (वोट/खोट)

(ख) साहूकार समझ गया कि वह गेंदालाल से _____ वसूल नहीं कर पाएगा। (पैसे/गेहूँ)

(ग) गेंदालाल की _____ देखकर साहूकार हँस पड़ा। (मूर्खता/चतुराई)

(घ) पिता जी गाँव की _____ पर जामुन लेने गए हैं। (नदी/सरहद)

(ङ) साहूकार _____ करते-करते थक गया। था। (समझौता/तकाज़ा)

Scanned with CamScanner

5. **पाठ के अनुसार इन वाक्यों को सही क्रम में लगाइए–**

– गेंदालाल के बेटे ने अपने पिता से साहूकार के आने की बात बताई।
– साहूकार गेंदालाल की बात पर हँस पड़ा।
– साहूकार को गेंदालाल का बेटा मिला।
– पंचों ने साठ रुपये लौटाने का निर्णय दिया।
– गेंदालाल ने साहूकार से रुपये उधार लिए।

6. **इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) गेंदालाल साहूकार के रुपये क्यों नहीं देना चाहता था?
(ख) साहूकार ने गेंदालाल के बेटे से क्या पूछा?
(ग) संदेश भेज-भेजकर कौन परेशान हो गया था और क्यों?
(घ) गेंदालाल के बेटे ने साहूकार को क्या समझाया?
(ङ) पंचायत ने गेंदालाल को तीस ही रुपये लौटाने की बात कब कही?
(च) कहानी के अंत में क्या हुआ?

मूल्यपरक प्रश्न (Values and Life Skills)

(क) उधार देने वाले हमारी ज़रूरत का ध्यान रखकर हमारी मदद करते हैं। क्या आपने कभी किसी से उधार लेकर उसको वापस नहीं दिया? यदि हाँ, तो बताइए उसको कैसा लगा होगा और आपने सही किया या गलत।
(ख) आपके अनुसार गेंदालाल जैसे इनसान सही होते हैं या गलत? ऐसे इनसानों को सबक सिखाने के लिए आप क्या करेंगे?

भाषा की समझ (Language and Vocabulary Skills)

- Kinds of Number
- Kinds of Noun
- Opposite Words
- Idioms
- Sentence Formation

1. शब्दों के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध होता हो, उसे **वचन** कहते हैं। एक का बोध कराने वाले शब्द **एकवचन** रूप में होते हैं और एक से अधिक का बोध कराने वाले शब्द **बहुवचन** रूप में होते हैं।

इन शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–

(क) रुपया _____ (ख) पैसा _____
(ग) गुठली _____ (घ) बेटा _____
(ङ) घटना _____ (च) समझौता _____

Scanned with CamScanner

2. नाम वाले शब्द **संज्ञा** कहलाते हैं।

किसी जाति या वर्ग का बोध कराने वाले शब्द **जातिवाचक संज्ञा** कहलाते हैं।

किसी विशेष स्थान, व्यक्ति, प्राणी, वस्तु आदि का बोध कराने वाले शब्द **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहलाते हैं।

भाव का बोध कराने वाले शब्द **भाववाचक संज्ञा** कहलाते हैं।

दिए गए वाक्यों में से रंगीन संज्ञा शब्दों के भेद लिखिए–

(क) गेंदालाल की नीयत खराब थी। _____

(ख) गेंदालाल की चतुराई देखकर साहूकार हँस पड़ा। _____

(ग) साहूकार अपने पैसे की वसूली करना चाह रहा था। _____

(घ) साहूकार अपनी हँसी रोक नहीं पाया। _____

(ङ) गेंदालाल का बेटा सामने खड़ा था। _____

(च) साठ रुपये तो ज़्यादा होते हैं। _____

3. उलटे अर्थ वाले शब्द **विलोम शब्द** कहलाते हैं।

इन शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

(क) उलटा × _____

(ख) जवाब × _____

(ग) बाहर × _____

(घ) उधार × _____

(ङ) गाँव × _____

(च) दूर × _____

4. इन मुहावरों के अर्थ लिखिए–

(क) नीयत खराब होना – _____

(ख) लाल-पीला होना – _____

(ग) आँखों का तारा – _____

(घ) नीयत में खोट होना – _____

(ङ) घी के दीये जलाना – _____

5. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) उधार _____

(ख) जामुन _____

(ग) पंच _____

(घ) चतुराई _____

Scanned with CamScanner

गतिविधियों के आयाम (Dimension of Activities)

- Verbal Literacy
- Research based Literacy
- Research based Information Gathering
- Verbal Literacy

1. एक कदम आगे

(क) क्या कभी ऐसा हुआ कि किसी ने आपसे चीज़ माँगकर आपको वापस न दी हो? बताइए, तब आपको कैसा लगा था।

(ख) जामुन फल का उत्पत्ति स्थान भारत माना जाता है, इसीलिए 'जम्बूद्वीपे, भरतखंडे' कहा जाता है। तीन ऐसे फलों के नाम पता कीजिए जिनका उत्पत्ति-स्थान भारत है।

2. गुणकारी जामुन

क्या आप जानते हैं कि जामुन का फल बहुत उपयोगी और गुणकारी होता है? मधुमेह जैसी बीमारियों की तो यह अचूक दवा सिद्ध हुई है। अपनी कॉपी में जामुन का चित्र बनाइए और इसके रंग-रूप, गुण आदि के बारे में लिखिए।

3. प्रोजेक्ट कार्य

साहूकार ने अपनी रकम के लिए गेंदालाल के पास कई बार संदेश भेजे। क्या आपको पता है कि आजकल संदेश किन-किन माध्यमों से भेजे जा सकते हैं? अपनी प्रोजेक्ट कॉपी में उनके चित्र चिपकाइए और नाम भी लिखिए।

4. समूह गान

प्रदीप शुक्ल की कविता की कुछ पंक्तियाँ यहाँ दी जा रही हैं। कक्षा के बच्चे लय में पूरे हाव-भाव के साथ इसका गायन करें–

चलो आज जामुन खाएँगे,
कुछ घर भी ले आएँगे।
जामुन के फल बहुत रसीले,
पके हुए हैं गहरे नीले।
खाने में जल्दी मत करना,
गुठली थूको, नहीं निगलना।
हुए हाथ-मुँह नीले सारे,
मज़ा आ गया लेकिन प्यारे।

Scanned with CamScanner

3 बीते ज़माने की सैर

हमें पता है

हमसे सदियों पहले भी धरती पर जीवन था। अनेक स्थानों की खुदाई से यह बात सामने आई है कि बहुत समय पहले धरती पर अनेक सभ्यताएँ मौजूद थीं।

आओ सोचें

ऐसा क्या हुआ होगा, जिससे इतने बड़े-बड़े ज़िंदा शहर धरती के अंदर समा गए?

दक्ष दौड़ता हुआ आया और माँ के गले से चिपक गया। माँ ने उसे पुचकारते हुए पूछा, "घूम आए लोथल?"

"हाँ माँ! वह तो बहुत ही अद्भुत[1] जगह थी। वैसे तो मैं बहुत जगह घूमा हूँ पर ऐसी जगह मैंने कभी नहीं देखी। ऐसा लग रहा था, जैसे हम बीते ज़माने की सैर कर रहे हों।"

दरअसल[2] दक्ष अपनी कक्षा के सहपाठियों और अध्यापक -अध्यापिकाओं के साथ शैक्षिक भ्रमण[3] पर गया था। वे सब गुजरात के अहमदाबाद से लगभग 85 किलोमीटर दूर स्थित 'लोथल' नामक स्थान[4] देखने गए थे। माँ ने पूछा, "दक्ष, तुमने वहाँ क्या-क्या देखा?"

दक्ष ने बताया, "माँ! लोथल टीले के बीच से होते हुए हमने भोगावो नदी देखी जो सौराष्ट्र के मध्य[5] से निकलती है और साबरमती नदी में जाकर मिल जाती है। साबरमती नदी अरब सागर में गिरती है। मतलब,

शब्दार्थ – 1. अनोखी 2. वास्तव में 3. यात्रा 4. जगह 5. बीच

Scanned with CamScanner

पहले के ज़माने के लोग नदी के रास्ते दूसरे देशों से व्यापार[1] करते थे।"

माँ ने पूछा, "केवल एक नदी के आधार पर तुम यह कैसे कह सकते हो, दक्ष?"

"माँ, मैं यह केवल नदी के आधार पर नहीं कह रहा हूँ। हमने वहाँ दो और ऐसी चीज़ें देखीं, जिनके बारे में आप जानेंगी तो आप भी मान जाएँगी कि अब से हज़ारों साल पहले लोथल सचमुच व्यापार का एक बहुत बड़ा केंद्र था।" दक्ष ने माँ से कहा।

"अच्छा! वे दो चीज़ें कौन-सी हैं, दक्ष?" माँ ने पूछा।

दक्ष ने जवाब दिया, "एक तो वहाँ पर मिली तरह-तरह की बहुत सारी मोहरें, और दूसरा वहाँ का पुराना विशाल[2] मालगोदाम। इसके साथ-साथ वहाँ का बंदरगाह[3] भी इसी बात को साबित करता है। ऐसा मानते हैं कि यह संसार का सबसे पुराना बंदरगाह है।"

माँ हँसते हुए बोली, "तुम तो बड़े समझदार हो गए हो। ठीक है, मैं तुम्हारी बात मान लेती हूँ कि लोथल पुराने समय का एक बहुत बड़ा बंदरगाह था। पर, यह तो बताओ कि तुमने वहाँ और क्या देखा।"

"माँ, हमने वहाँ हज़ारों साल पहले मिट्टी से बनाई गई बैल, कुत्ते, शेर, मोर, रीछ आदि की मूर्तियाँ देखीं। उनमें से एक मूर्ति किसी देवी की लग रही थी। यहाँ तक कि मोहरों और बरतनों के ऊपर भी सुंदर चित्रकारी देखने को मिली। इसके अलावा हमने वहाँ की गलियाँ, बाज़ार, चौड़े रास्ते, स्नानघर आदि भी देखे। यह सब देखकर ऐसा लग रहा था जैसे एक भरे-पूरे नगर के प्राण[4] अचानक निकल गए हों। जब वहाँ लोग रहते रहे होंगे, तो वह शहर भी हमारे शहरों की तरह जीवित रहा होगा।" इतना कहकर दक्ष चुप हो गया।

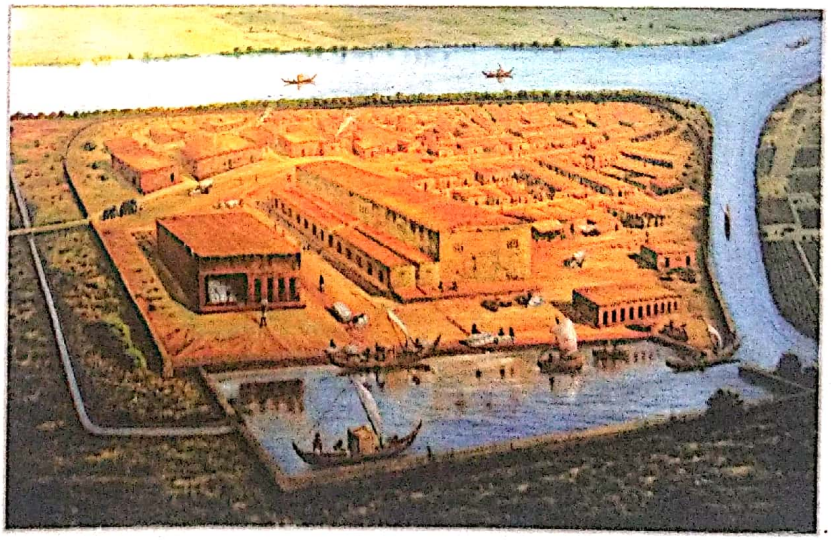

माँ हँसने लगी, "दक्ष! तुमने तो सचमुच मुझे घर बैठे ही बीते ज़माने की सैर करा दी।"

–कोमल वत्स

हमने सीखा– हमने ऐतिहासिक स्थल लोथल और प्राचीन नगरीय सभ्यता के बारे में जानकारी प्राप्त की।

शब्दार्थ – 1. खरीदने-बेचने का काम 2. बड़ा 3. जहाँ पर समुद्री जहाज़ खड़े होते हैं 4. जान

Scanned with CamScanner

अभ्यास

पाठ की समझ (Comprehension Skills)

- Listening and Writing Skills
- MCQs
- Oral Expression
- Fill in the Blanks
- Written Expression

1. श्रुतलेख

भ्रमण केंद्र चित्रकारी बंदरगाह प्रतीत

2. पाठ के अनुसार सही विकल्प पर निशान (✓) लगाइए–

(क) सौराष्ट्र के मध्य से यह नदी निकलती है–

(अ) साबरमती ☐ (ब) यमुना ☐ (स) भोगावो ☐

(ख) लोथल और अहमदाबाद के बीच की दूरी है–

(अ) 100 किमी ☐ (ब) 85 किमी ☐ (स) 50 किमी ☐

(ग) संसार का सबसे पुराना बंदरगाह माना जाता था–

(अ) कोलकाता ☐ (ब) लोथल ☐ (स) चेन्नई ☐

(घ) दक्ष ने माँ को लोथल की कौन-सी दो ऐसी चीज़ें बताईं जिनसे यह पता चलता हो कि वह एक बहुत बड़ा व्यापारिक केंद्र था?

(अ) मालगोदाम, मोहरें ☐ (ब) कुएँ, नलकूप ☐ (स) कपड़े, जूते ☐

3. इन प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) दक्ष शैक्षिक भ्रमण पर कहाँ गया था?

(ख) साबरमती नदी कौन-से सागर में जाकर मिलती है?

(ग) दक्ष ने घूमकर आने के बाद सारी बातें किसको बताईं?

4. उचित विकल्प चुनकर खाली स्थान भरिए–

(क) मोहरों और _____ के ऊपर भी सुंदर चित्रकारी की गई थी। (**बरतनों/कपड़ों**)

(ख) दक्ष ने घर बैठे ही बीते ज़माने की _____ करा दी थी। (**मौज़/सैर**)

(ग) लोथल पुराने समय का एक बहुत बड़ा _____ था। (**बंदरगाह/साम्राज्य**)

(घ) लोथल के लोग नदी के रास्ते दूसरे देशों से _____ करते थे। (**बातचीत/व्यापार**)

5. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) दक्ष किनके साथ शैक्षिक भ्रमण पर गया था?

(ख) लोथल में दक्ष ने हज़ारों साल पहले मिट्टी से बनी कौन-कौन सी चीज़ें देखीं?

(ग) लोथल में पाई गई मोहरों और बरतनों की क्या विशेषता थी?

(घ) दक्ष की माँ ने ऐसा क्यों कहा कि दक्ष ने घर बैठे ही बीते ज़माने की सैर करा दी?

Scanned with CamScanner

मूल्यपरक प्रश्न (Values and Life Skills)

(क) दक्ष अपनी माँ के गले लग गया और उन्हें अपने भ्रमण के बारे में बताया। क्या आप भी अपनी माँ से दूर रहकर उनको याद करते हैं और मिलने पर उनको सारी बातें बताते हैं?

(ख) भ्रमण से होने वाले कोई दो लाभ लिखिए।

भाषा की समझ (Language and Vocabulary Skills)

* New Words Formation
* Opposite Words
* Pronoun
* Adjective
* Suffix

1. नए शब्द बनाइए–

ब	र	तन	______
श	र	वल	______
प	र	बत	______

त	र	ब	______
न	र	ल	______
अ	र	म	______

2. विलोम शब्द लिखिए–

(क) हँसना × ______ (ख) गिरना × ______

(ग) चलना × ______ (घ) आदर × ______

(ङ) अपना × ______ (च) प्रेम × ______

3. नाम की जगह आने वाले शब्द **सर्वनाम** कहलाते हैं।

नीचे दिए गए वाक्यों में सर्वनाम शब्दों को रेखांकित कीजिए–

(क) माँ ने उसे पुचकारते हुए पूछा।

(ख) मैंने एक अद्भुत संसार देखा।

(ग) तुमने लोथल में क्या-क्या चीज़ें देखीं?

(घ) वह लोथल के बारे में विस्तार से बताने लगा।

(ङ) माँ! आप भी लोथल घूमने जाइएगा।

(च) उसने मोहरों के बारे में भी बताया।

4. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द **विशेषण** कहलाते हैं।

इन वाक्यों में से विशेषण शब्द छाँटकर अलग लिखिए–

(क) मोहरों और बरतनों के ऊपर भी सुंदर चित्रकारी देखने को मिली। ______

(ख) लोथल को देखकर सुखद एहसास हो रहा था। ______

(ग) वहाँ पर पुराना मालगोदाम भी था। ______

(घ) तुम तो अब समझदार हो गए हो। ______

Scanned with CamScanner

गतिविधियों के आयाम (Dimension of Activities)

- Academic Literacy
- Project Work
- Verbal Literacy
- Research based Literacy
- Written Literacy

1. मेरी पसंदीदा जगह

अपनी प्रोजक्ट कॉपी में अपनी पसंदीदा जगह की फोटो चिपकाइए जहाँ आप गए हों या जाना चाहते हों। उसके बारे में यह भी लिखिए कि वह आपको क्यों पसंद है।

2. ऐतिहासिक धरोहर

इन ऐतिहासिक इमारतों के नाम लिखिए। यह भी लिखिए कि ये कहाँ स्थित हैं।

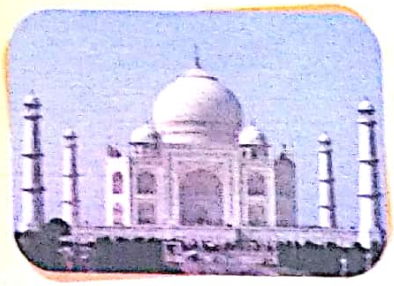

_____

_____

_____

_____

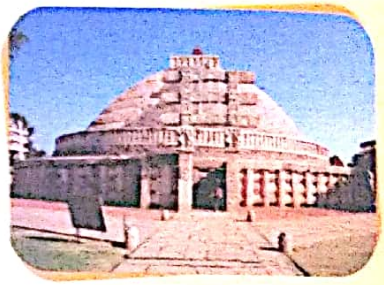

_____

_____

3. आओ बातें करें

भ्रमण पर जाते समय हमें किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? कक्षा में बातचीत कीजिए।

4. आओ पता करें

नदियाँ मनुष्य को पीने के लिए जल देने मात्र का साधन नहीं हैं। वे ज़मीन को उपजाऊ बनाकर भोजन की व्यवस्था करने में भी सहायक होती हैं। इसके साथ ही, वे परिवहन आदि के साधन के रूप में प्रयोग की जाती रही हैं। इसलिए पहले से ही नदियों के किनारे शहर और नगर बसते रहे हैं।

अब आप अपनी अध्यापिका की सहायता से भारत का मानचित्र देखिए और जानिए कि कौन-कौन से प्रमुख नगर किन नदियों के किनारे बसे हुए हैं।

5. मान लीजिए–

दक्ष का मित्र सुजय दूसरे शहर में रहता है। दक्ष उसे अपने भ्रमण के बारे में जानकारी देना चाहता है। उसकी ओर से सुजय को पत्र लिखिए।

Scanned with CamScanner

एक अनोखा स्मारक

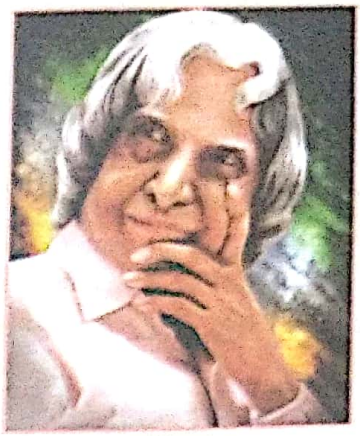

'काका कलाम' को कौन नहीं जानता। वे भारत के ग्यारहवें राष्ट्रपति थे। लेकिन, दुनिया में उनकी ख्याति और पहचान 'मिसाइल मैन' के रूप में होती है। हो भी क्यों न, भारत को मिसाइल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में उनका योगदान अविस्मरणीय रहा है।

ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जन्म तमिलनाडु राज्य के रामेश्वरम में 15 अक्तूबर 1931 को हुआ था। चौरासी वर्ष की अवस्था में उनकी मृत्यु शिलाँग (मेघालय) में एक कार्यक्रम के दौरान दिल का दौरा पड़ने से हुई थी।

रामेश्वरम वैसे तो दक्षिण भारत के पवित्रतम तीर्थस्थानों में से एक है लेकिन इस स्थान की प्रसिद्धि में चार चाँद लगा दिए हैं, एक अनोखे स्मारक ने। वह है– डॉ॰ ए.पी.जे. कलाम राष्ट्रीय स्मारक।

अब्दुल कलाम की मृत्यु 27 जुलाई 2015 को हुई थी। उनकी पहली पुण्यतिथि के दिन, इस स्मारक के निर्माण हेतु भूमि पूजन किया गया और एक वर्ष के अंदर ही इसे अंतिम स्वरूप प्रदान कर दिया गया। डॉ॰ कलाम की दूसरी पुण्यतिथि के अवसर पर इस स्मारक का

Scanned with CamScanner

उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से 27 जुलाई 2017 को किया गया।

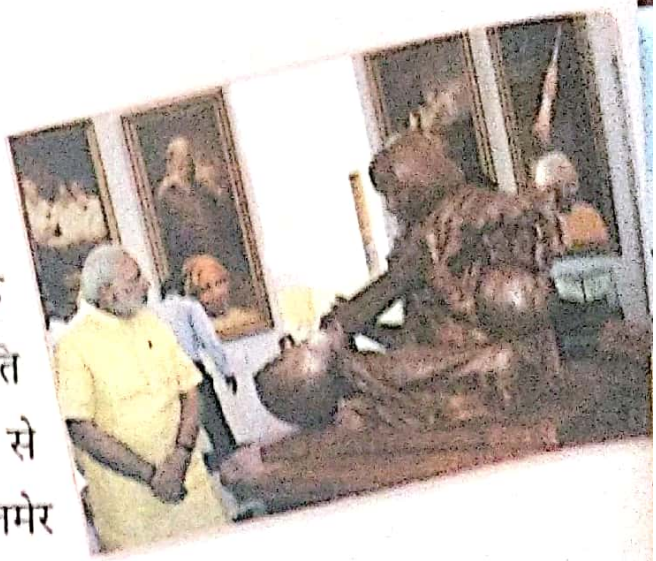

इस स्मारक का प्रवेश द्वार इंडिया गेट की तरह बनाया गया है और इसके दो गुंबद देखने में राष्ट्रपति भवन जैसे लगते हैं। स्मारक का अग्रभाग तंजावुर से मँगवाया गया था जबकि पत्थर के आवरण जैसलमेर और आगरा से मँगवाए गए थे। बेंगलुरु, हैदराबाद, शांतिनिकेतन, कोलकाता, चेन्नई आदि स्थानों से भी तरह-तरह की सामग्रियाँ मँगवाई गई थीं।

डॉ॰ कलाम के इस स्मारक में चार मुख्य हॉल बनाए गए हैं। पहले हॉल में डॉ॰ कलाम के बचपन और उनकी शिक्षा की झलकियाँ मिलती हैं। दूसरे हॉल में उनके राष्ट्रपति काल के समय से जुड़ी झलकियाँ प्रस्तुत की गई हैं। तीसरे हॉल में अंतरिक्ष और मिसाइल कार्यक्रमों के क्षेत्र में उनके योगदान को दर्शाया गया है। चौथे हॉल में राष्ट्रपति पद से मुक्त होने से लेकर शिलाँग में अंतिम यात्रा पर निकल लेने से संबंधित झाँकियाँ दिखाई गई हैं।

एक अन्य मंडप में डॉ॰ कलाम की रुद्रवीणा और एस यू-30 एम.के.आई. उड़ान के दौरान उनके द्वारा पहने गए जी-सूट को रखा गया है। इसी मंडप में उनकी कई महत्वपूर्ण निजी वस्तुएँ और पुरस्कार आदि संग्रहीत किए गए हैं।

कुल मिलाकर समूचे स्मारक परिसर का भ्रमण करने के बाद डॉ॰ कलाम के शांत किंतु विशाल व्यक्तित्व से परिचय होता है। तो, जब भी मौका मिले, इस अनोखे तीर्थस्थान के दर्शन करना न भूलिए।

–सदन कुमार सिन्हा

Scanned with CamScanner